D
Batch -2016-17 till 2019-20)

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर –२०२२

सत्र – २

विषय : विशेष साहित्यकार–उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग –२) (HC–२०२)

दि.: १९/१२/२०२२	**कुल अंक : ६०**	**समय : प्रात: १०.०० से दो. १२.३०**

सूचना : १) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

२) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र. १ 'रंगभूमि' उपन्यास की समस्या स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'गजाधर एक गतिशील पात्र है' कथन की पुष्टी कीजिए ।

प्र. ३ 'निर्मला' उपन्यास के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

प्र. ४ 'प्रेमचंद एक सजग उपन्यासकार थे' पठित उपन्यासों के आधारपर सिद्ध कीजिए ।

प्र. ५ 'समाज की खामियाँ प्रेमचंद जी को साहित्य–सृजन के लिए प्रेरणा बनीं' स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ अ **स–संदर्भ व्याख्या कीजिए।**

१) 'मैंने तुम्हारे साथ बडा अन्याय किया है ।'

अथवा

२) 'तुम बाप–पूत दोनो एक ही थैली के चट्टे–बट्टे हो ।'

ब **टिप्पणी लिखिए।**

१) उपन्यास का तत्त्व – चरित्रचित्रण ।

अथवा

२) प्रेमचंदजी के उपन्यासों की भाषा ।